फ्रांसीसी किसानों ने देखी देशी खेती

विदेशी किसानों का दल मंडावा क्षेत्र गांवों के किसानों से रू-ब-रू

भास्कर न्यूज | मंडावा

फ्रांस के 15 किसानों के दल ने क्षेत्र के किसारी, जीतास, मीठवास, हनुमानपुरा व तेतरा में स्थानीय खेती की तकनीक व जल प्रंबधन की जानकारी ली।

किसान केओटी थोमस, ओरटी ग्रेट, मशून नाड्डू, चैंपली ने बताया कि फ्रांस में किसान साल में एक फसल गेंहू की लेते हैं। यह बारिश के पानी से होती है। सिंचाई की जरूरत वाली फसल वहां नहीं ली जाती। हालांकि सब्जियां सभी प्रकार की होती हैं। फ्रांसीसी किसानों ने जमीन को उपजाऊ बनाने, गोबर की खाद के प्रयोग से फसलों में होने वाले फायदों, ज्यादा उत्पादन प्राप्त करने की जानकारी ली।

मंडावा. तेतरा में शेखावाटी किसानों के साथ चर्चा करते विदेशी किसान।

जीतास में आंनदसिंह के खेत पर इन्हें अनार व बील के बगीचे देख इनकी पौध लगाने की विधि समझी। ग्रुप लीडर नरेंद्रसिंह समेत स्थानीय किसान रामकुमार पटवारी, नथूसिंह कुलहरि, हीरासिंह, रामदेव कटारिया, जीवणराम जांगिड़, चंदगीराम, आंनदसिंह जीतास, भागीरथ, करणीराम महला, महावीर, रिसाल, मुकेश दूलड़, जगदीश नाई, हरिशंकर राहड़, महावीर तिलोटिया, ताराचंद भूरिया आदि साथ थे।

पानी के नमूने लिए

फ्रांस के किसानों ने साथ ही पीने के पानी व खेती में इस्तेमाल होने वाले पानी के नमूने लिए। फ्लोराइडयुक्त पानी से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारियों का आदान- प्रदान कर भू संरक्षण, जल संरक्षण, पशुपालन विकास व आर्थिक- सामाजिक स्तर में सुधार और जलग्रहण क्षेत्र की गतिविधियों को जाना।